अपनी दिल्ली

अमर उजाला

मैसेज देगा डॉक्टर को वेकअप कॉल

जूनियर डॉक्टर मरीज की जांचकर तय करेंगे गंभीरता

जानकारी मिलने के 10 मिनट के अंदर पहुंचना होगा वरिष्ठ चिकित्सक को

पवन कुमार

नई दिल्ली। किसी गंभीर मरीज को जैसे ही आपातकालीन विभाग में लाया जाएगा, उसकी जानकारी चिकित्सक के स्मार्ट फोन पर पहुंच जाएगी। यही नहीं, मरीज की जांच रिपोर्ट भी स्मार्ट फोन पर मिलेगी। मैसेज मिलने के 10 मिनट के अंदर डॉक्टर को मरीज के पास पहुंचना होगा। यदि वे नहीं पहुंचते हैं तो मैसेज यूनिट हेड (कंसलटेंट) तक चला जाएगा। एम्स ट्रॉमा सेंटर ने मरीजों की सुविधा और चिकित्सकों की जिम्मेदारी तय करने के लिए यह अनोखी पहल शुरू की है।

डॉक्टर का निजी और सरकारी मोबाइल नंबर आपातकालीन विभाग के कंप्यूटर में दर्ज होगा। जैसे ही मरीज अस्पताल पहुंचेगा, वहां मौजूद डॉक्टर उसकी जांच-पड़ताल के बाद पूरी जानकारी कंप्यूटर में दर्ज कर देंगे और गंभीर स्थिति होने पर विशेषज्ञ चिकित्सक को फॉरवर्ड कर देंगे। मैसेज मिलने के दस मिनट के अंदर डॉक्टर को वहां पहुंचना होगा। मैसेज में यह भी बताया जाएगा कि घायल का सिटी स्कैन अथवा एक्स रे किया जा रहा है या नहीं। दस मिनट के अंदर यदि विशेषज्ञ नहीं पहुंचते हैं तो मैसेज उनके कंसलटेंट तक पहुंच जाएगा। एम्स ट्रॉमा सेंटर के आपातकालीन विभाग में प्रति दिन औसतन तीन सौ मरीज आते हैं। इनमें से करीब 30 फीसदी की हालत गंभीर होती है।

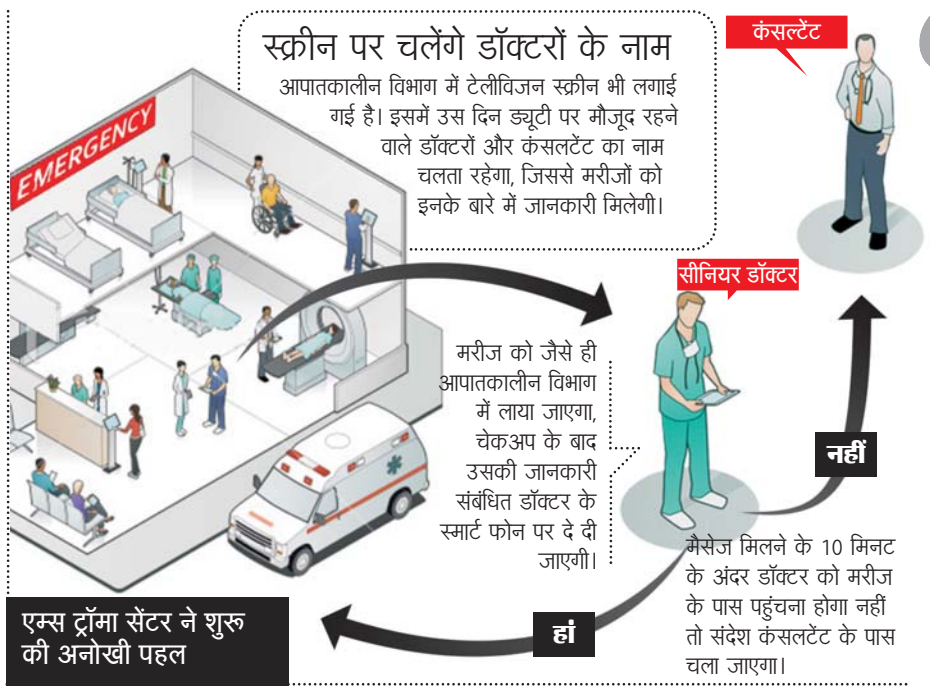

एम्स ट्रॉमा सेंटर ने शुरू की अनोखी पहल

> मरीजों को जल्द और बेहतर इलाज के साथ ही चिकित्सकों की जवाबदेही तय करने के लिए ऐसी व्यवस्था की शुरुआत की गई है। एसएमएस कब भेजा गया और डॉक्टर कब आए, इसकी पूरी जानकारी सिस्टम में होगी। कोई भी डॉक्टर जिम्मेदारी से भाग नहीं सकता है।
>
> **-डॉ. दीपक अग्रवाल,** एडिशनल प्रोफेसर

भूजल स्तर सुधारने की होगी कवायद

नई दिल्ली (ब्यूरो)। राजधानी के भूजल में सुधार एवं पेयजल के स्रोत बनाने के लिए दिल्ली जल बोर्ड जनता के बीच जाएगा। वह लोगों को जल संचयन शुरू करने के लिए जागरूक करेगा। इसके लिए दो संस्थाओं के साथ अनुबंध किया है। पहले फेज में दक्षिण और दक्षिणी-पश्चिमी दिल्ली में भूजल का सुधार करने पर कार्य शुरू होगा। इन इलाकों में भूजल का स्तर दो सौ फुट से नीचे पहुंच चुका है। इसके अलावा इन इलाकों में जो ट्यूबवेल लगाए जाते हैं, वे कुछ दिन बाद साफ पानी देना बंद कर देते हैं।

जल बोर्ड के अनुसार, इंटेक एवं फॉर्स नामक संस्थाएं लोगों को भूजल में सुधार के लिए जागरूक करेंगी। इस फंड में पांच करोड़ रुपये की व्यवस्था है। बोर्ड अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में कई वर्षों से भारी बारिश हो रही है। लेकिन ज्यादातर इलाके पक्के होने के कारण बरसाती पानी जमीन में जाने के बजाय नालों में बह जाता है। उनका मानना है कि अगर बरसाती पानी जल संचयन योजना के तहत जमीन में जाना शुरू हो जाए तो सुधार होना तय है।

दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक को पार करेगी मेट्रो

अमर उजाला

मोदी मिल फ्लाईओवर के ऊपर चल रहा मेट्रो का काम।

अमर उजाला ब्यूरो

- तेज गति से चल रहा है जनकपुरी पश्चिम-बॉटेनिकल गार्डन कॉरिडोर का काम
- वर्ष 2016 में शुरू हो जाएगा कॉरिडोर

नई दिल्ली। मेट्रो रेल जनकपुरी पश्चिम से बॉटेनिकल गार्डन कॉरिडोर पर दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक को स्टील ब्रिज के जरिए पार करेगी। ओखला फेज-3 व ईश्वर नगर मेट्रो स्टेशन के बीच पांच ट्रैक पर रेलवे लाइन को पार करने के लिए डीएमआरसी ने स्टील ब्रिज बनाने का फैसला किया है। हालांकि, अभी रेल लाइन पार करने की अनुमति भारतीय रेलवे से मिलनी बाकी है। प्रगति मैदान या तुगलकाबाद में फेज-दो में बनाए गए लंबे ब्रिज का निर्माण यहां नहीं किया जाना है।

डीएमआरसी प्रवक्ता के अनुसार, मोदी मिल फ्लाईओवर के पास पिलर निर्माण का काम पूरा हो चुका है जबकि सेगमेंटल लांचिंग के लिए लांचिंग गार्डर का इस्तेमाल 15 दिन में शुरू हो जाएगा। मेट्रो अधिकारियों का कहना है कि यहां नीचे ट्रैफिक दौड़ता रहेगा और ऊपर मशीनों से निर्माण चलता रहेगा। मोदी मिल फ्लाईओवर के दोनों लूप के ऊपर निर्माण कार्य अक्तूबर अंत तक खत्म हो जाएगा। जनकपुरी पश्चिम से बोटनिकल गार्डन (36.5 किमी) कॉरिडोर का कार्य तेज गति से चल रहा है। डीएमआरसी का दावा है कि 2016 में यह कॉरिडोर शुरू कर दिया जाएगा। पूरे कॉरिडोर में 24 स्टेशन बनेंगे।

34 साल बाद कोर्ट ने दी राहत

नई दिल्ली (ब्यूरो)। दिल्ली हाईकोर्ट ने 34 साल पहले हटाए गए कर्मचारी के पक्ष में फैसला सुनाते हुए बैंक के निर्णय को खारिज कर दिया। बैंक ने कर्मचारी को गलत आचरण के मद्देनजर बर्खास्त कर दिया था।

जस्टिस पीके भसीन ने गोपाल वासुदेव की याचिका को मंजूर करते हुए उसकी बर्खास्तगी के निर्णय को खारिज कर दिया। कोर्ट ने याची के उस तर्क को वाजिब माना कि जांच में उसे वकील लेने की अनुमति नहीं दी गई थी।

वासुदेव ने 1971 में न्यू बैंक ऑफ इंडिया में लिपिक के तौर पर नौकरी शुरू की थी। गलत आचरण, उधार सामान लेने व फर्जी चेक आदि का हवाला देते हुए उसे निलंबित कर दिया गया था। बैंक ने जांच के बाद 1979 में उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया था।

स्लीपर कोच बसों की होगी नो-एंट्री

अखिलेश कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने स्लीपर कोच बसों पर नो-एंट्री लगाने का फैसला किया है। राज्य परिवहन प्राधिकरण बोर्ड ने इससे जुड़ी अधिसूचना के ड्राफ्ट को मंजूरी दे दी है।

ड्राफ्ट में साफ किया गया है कि स्लीपर कोच बसें केंद्रीय मोटर वाहन नियम (सीएमवीआर) 1989 के नियम 93 व 128 का उल्लंघन कर रही हैं। ऐसे में सड़क के हालात, यात्रियों की सुरक्षा और असुविधा का हवाला देकर इन बसों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना जल्द जारी की जाएगी। एसटीए बोर्ड ने कहा है कि ऐसी बसें चाहे किसी भी परमिट पर चल रही हों, उनको राजधानी में प्रवेश नहीं मिलेगा। ट्रांसपोर्ट बोर्ड से जुड़े सूत्रों का कहना है कि गैर कानूनी तरीके से ये बसें चलाई जा रही हैं। दिल्ली सरकार स्लीपर कोच बसों की दिल्ली में नो एंट्री के लिए सेंट्रल मोटर व्हीकल अधिनियम (सीएमवीए) 1988 की धारा 115 की शक्तियों का इस्तेमाल कर रही है।

> नियमों को ताक पर रखकर ये बसें चलाई जा रही हैं। इन बसों में आग लग जाए या किसी अन्य तरह की घटना हो जाए तो इश्योंरेस कंपनी उसकी भरपाई नहीं करती।
>
> - **हरीश सब्बरवाल,** महासचिव-दिल्ली कांट्रेक्ट कैरिज बस एसोसिएशन

राष्ट्रीय पोषाहार सप्ताह

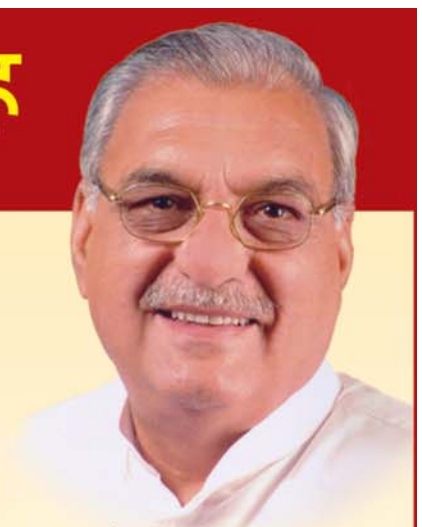

1 –7 सितम्बर, 2013

श्रीमति गीता भुक्कल
महिला एवं बाल विकास मंत्री
हरियाणा

श्रीमती अनिता यादव
मुख्य संसदीय सचिव
हरियाणा

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा
मुख्यमंत्री, हरियाणा

आंगनवाड़ी में बच्चे आँए, खाँए व रहें कुपोषण से दूर

आंगनवाड़ी केन्द्रों में दिये जा रहे व्यंजन

सोमवार - मीठा दलिया
मंगलवार - आलू-पूरी
बुधवार - मीठे चावल
वीरवार - गुलगुले
शुक्रवार - भरवां पराँठा
शनिवार - खिचडी

- बच्चों को सन्तुलित आहार जिसमें अनाज, दाल, दूध, दही, तेल/घी, फल व सब्जियां भरपूर मात्रा में दें ताकि बच्चे कुपोषण से दूर रहें।
- विभिन्न प्रकार की बिमारियों से बचाव के लिए समय-समय पर बच्चों का टीकाकरण करवाएं।
- बढ़ते शिशु को प्रथम छः माह तक केवल मां का दूध दें व पानी भी न दें।
- बढ़ते शिशु की जरूरतों को पूरा करने के लिए छः माह की आयु से मां के दूध के साथ-साथ पूरक पोषाहार भी देना शुरू करें। दो वर्ष तक तथा उसके बाद भी स्तनपान जारी रखें।
- गर्भवती व स्तनपान करवाने वाली माताओं को अधिक मात्रा में पोष्टिक आहार दें तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच व टीकाकरण करवाँए तथा आयरन, फोलिक एसिड की गोलियाँ दें।
- किशोरी बालिकाओं को कुपोषण से बचाने के लिए पोषक तत्वों से भरपूर पोष्टिक भोजन दें।
- स्वस्थ रहने के लिए स्वयं की व खाद्य पदार्थों की स्वच्छता का पूरा ध्यान रखें।

उत्तम पोषाहार – स्वस्थ जीवन का आधार

रेनू फुलिया, आई.ए.एस.
निदेशक

शशि गुलाटी, आई.ए.एस.
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार

महिला एवं बाल विकास विभाग, हरियाणा
बेज नं॰ 15-20 सैक्टर-4, पंचकूला
Website: www.wcdhry.gov.in E-Mail : wcd@hry.nic.in

BAN Since 1966

याद रखे जितने SPEED से बाल गिरते है,
उतनी SPEED से वापिस आते नहीं.

हमे इस बात पर ज़रुर सोचना चाहिये की हमारे बाल कंधी करने पर या Shampoo करने पर जितने जल्दी गिर जाते है उतनी डशिशव से वापिस आते नहीं है इसलिये हमें बालों के बचाव का उपाय करना चाहिये, जो बालों की झड़ो से हिफाजत करे जिससे बालों का गिरना अधिक से अधिक कम हो, और इनका उपाय है केवल सेसा इसलिये बाल गिरने की समस्या को कम करने का उपाय Speed से अपनायें....

क्षीरपाक विधि से सिद्ध
सेसा™
SCALP THERAPY
कैप्सूल / ऑयल / शैम्पू / कंडीशनर

5 समस्या निवारक: झड़ते बाल, कम बाल, रुसी, कमजोर बाल, रुखे एवं बेजान बाल

सेसा है, आपके बालों का १००% आयुर्वेदीक रक्षक
सेसा मे है खास औषधिय गुण, इतना ज़रुर जाने

दूध – दूध के प्रोटीन, विटामिन और मिनरल बालों को जड़ से मज़बूत बनाकर चमक प्रदान करते है ।
मंडुर – बालों को असमय सफेद होने से रोकता है औरबालों को प्राकृतिक रंग प्रदान करता है ।
इन्द्रुवर्ण – सिर दर्द दूर कर ठंडक देता है और बालों मे रंगकणों का समान रुप से वितरण करता है ।
वज – बालों की जड़ों मे रक्त संचार बढ़ा कर बालों को स्वस्थ एवं सुंदर बनाता है ।
गुंजा बीज – इसका पोषणकारी गुण बालों की वृद्धि करता है और एलोपेशीया जैसे रोगों से रक्षण प्रदान करता है ।
ब्राह्मी – यह निद्रावर्धक है और सिर दर्द, मानसिक तनाव को दूर कर मानसिक शांति प्रदान करता है ।
भृंगराज – बालों की जड़ों को पोषण देकर बालों को काले व चमकदार बनाता है ।
यष्टीमधु – बालों को असमय सफेद होने और झड़ने से बचाता है ।

सेसा कैप्सूलः बालों का झड़ना कुछ हद तक आंतरिक कारणों जैसे की प्रोटीन, लौह तत्वों की कमी, बालों की जड़ों में रक्तसंचार की कमी, मानसिक तनाव, विषाणुजनित व जैवजनित रोगों के दुष्प्रभाव के कारण भी होता है। सेसा कैप्सूल इन सभी समस्याओं का संपूर्ण समाधान है। (एक कैप्सूल दिन में दो बार दूध के साथ)
चेतावनी : सगर्भावस्था के दौरान सेवन ना करें।

*Conditions apply # 2009-10 SESA is not a Cosmetic or Toiletry Preparation

For Trade Enquiry : Delhi - 9033447766, 9033225566
Chandigarh : 9736002601, Himachal - 97360 02601 / 98166 45048 / 98827 10268, J & K - 94191 79444
TOLL FREE NO. 1800 233 6733

"Require Area Sales Manager Representative for FMCG and Pharma Division. Contact: career@banlab.com